
Under CSR Support by
ipca Foundation
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
11th History
Chapter-4 | Part-4
ARJUN BATCH
तीन वर्ग (Three Orders)
सामंतवाद का परिचय

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

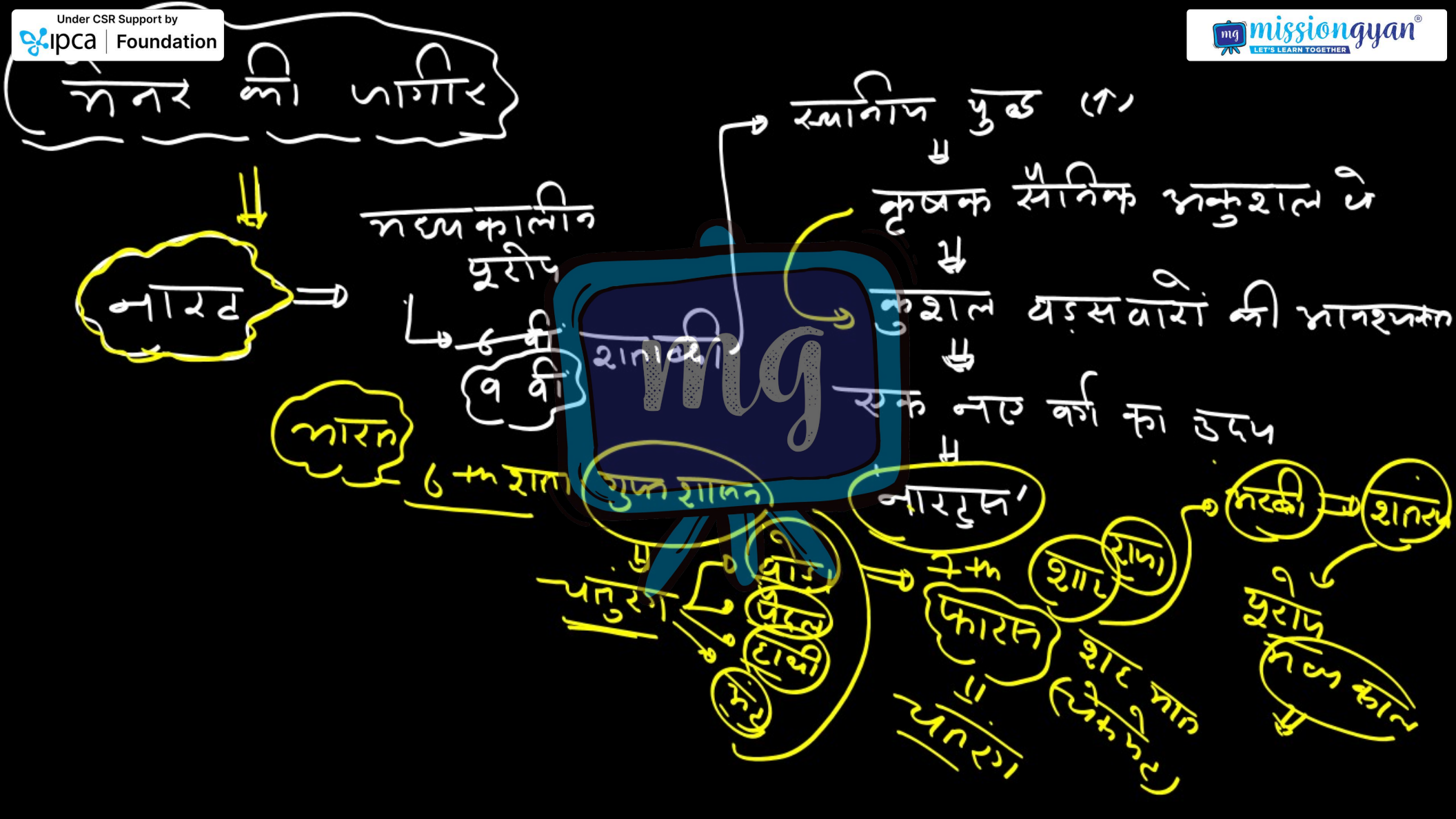
# आज क्या पढ़ेंगे ?



1. मेनर की जागीर
2. नाइट
3. प्रथम वर्ग- पादरी वर्ग

Under CSR Support by
ipca | Foundation

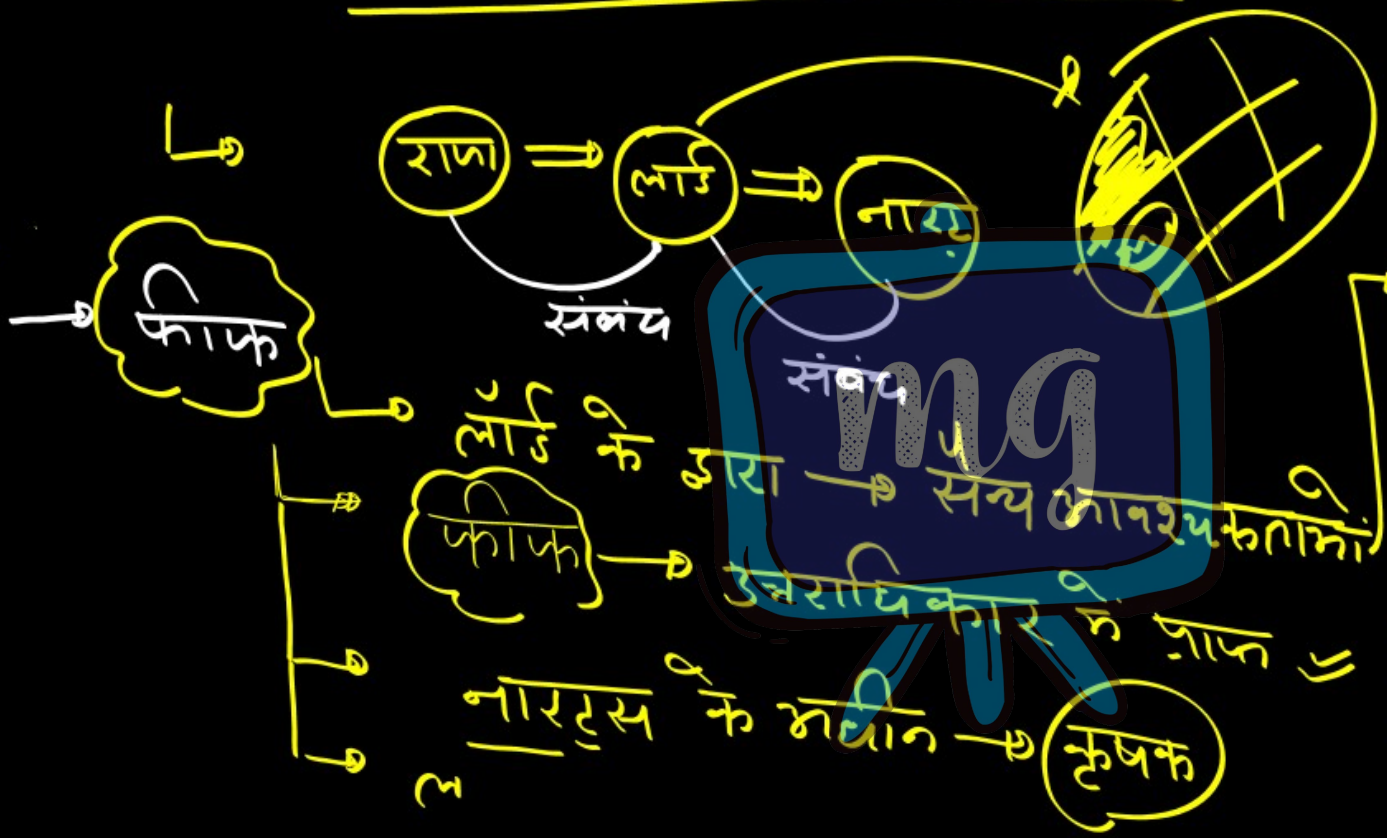
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

# नारदुस व लॉर्ड के संबंध



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




## मेनर की जागीर

- लॉर्ड का अपना मेनर-भवन होता था।
- वह गाँवों पर नियंत्रण रखता था कुछ लॉर्ड, अनेक गाँवों के मालिक थे।
- प्रतिदिन के उपभोग की प्रत्येक वस्तु जागीर पर मिलती थी।
- अनाज खेतों में उगाये जाते थे।
- लोहार और बढ़ई लॉर्ड के औज़ारों की देखभाल और हथियारों की मरम्मत करते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- जागीरों में विस्तृत अरण्यभूमि और वन होते थे जहाँ लॉर्ड शिकार करते थे।
- उनके यहाँ चरागाह होते थे।
- वहाँ पर एक चर्च और सुरक्षा के लिए एक दुर्ग होता था।
- इनका विकास सामंत प्रथा के तहत राजनीतिक प्रशासन और सैनिक शक्ति के केंद्रों के रूप में हुआ था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




# नाइट

- नौवीं सदी से, यूरोप में स्थानीय युद्ध प्रायः होते रहते थे।
- कुशल अश्वसेना की आवश्यकता थी।
- इसने एक नए वर्ग को बढ़ावा दिया जो नाइट्स कहलाते थे।
- वे लॉर्ड से उसी प्रकार सम्बद्ध थे जिस प्रकार लॉर्ड राजा से सम्बद्ध था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- लॉर्ड ने नाइट को भूमि का एक भाग (फ़ीफ़) दिया और उसकी रक्षा करने का वचन दिया।
- फ़ीफ़ को उत्तराधिकार में पाया जा सकता था।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

❖ नाइट और उसके परिवार के लिए एक पनचक्की और मदिरा संपीडक के अतिरिक्त, उसके व उसके परिवार के लिए घर, चर्च और उस पर निर्भर व्यक्तियों के रहने की व्यवस्था शामिल थी।



Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

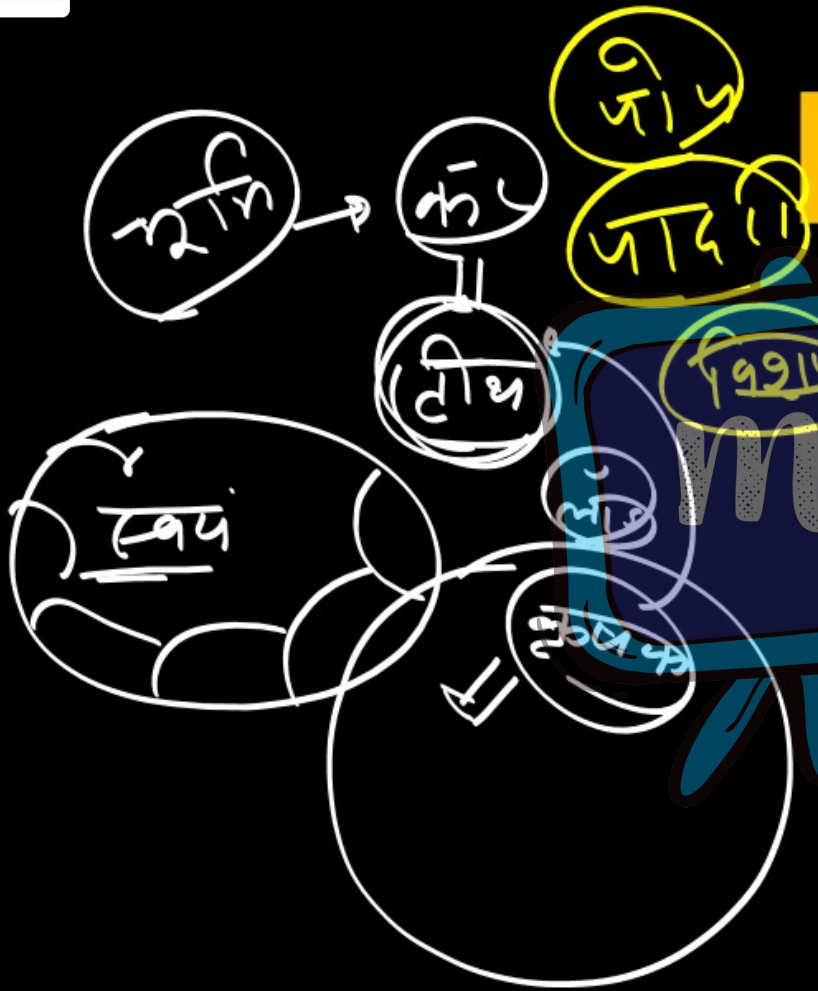




- बदले में, नाइट अपने लॉर्ड को एक निश्चित रकम देता था।
- युद्ध में उसकी तरफ से लड़ने का वचन देता था।
- नाइट अपनी सेवाएँ अन्य लॉर्डों को भी दे सकता था।
- लॉर्ड राजा को कुछ नाइट देने के लिए बाध्य थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

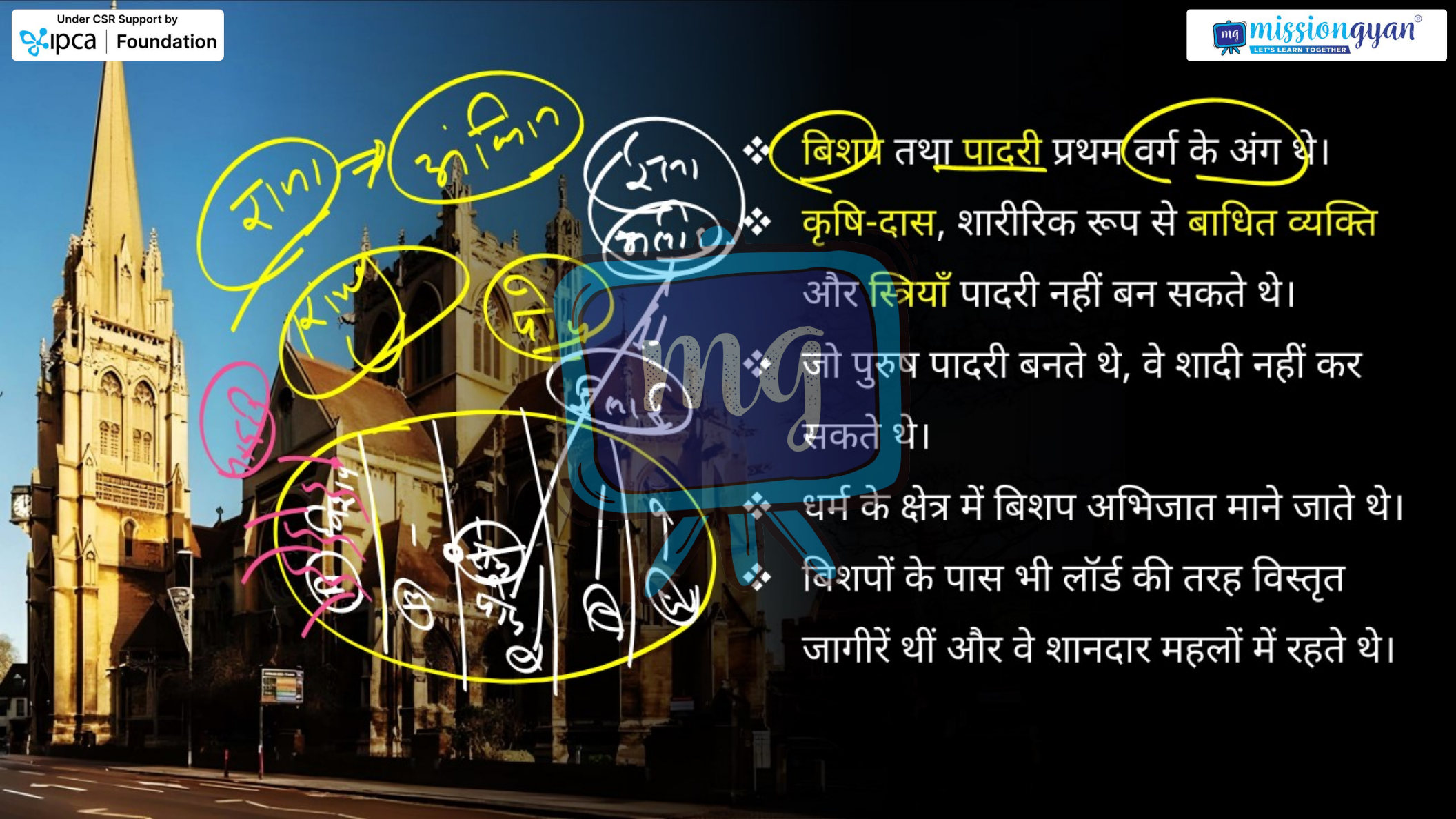


## प्रथम वर्ग- पादरी वर्ग

- कैथोलिक चर्च राजा द्वारा दी गई भूमियों से कर उगाह सकते थे।
- यह एक शक्तिशाली संस्था थी जो राजा पर निर्भर नहीं थी।
- पश्चिमी चर्च के अध्यक्ष पोप थे, जो रोम में रहते थे।
- यूरोप में ईसाई समाज का मार्गदर्शन बिशपों तथा पादरियों द्वारा किया जाता था ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

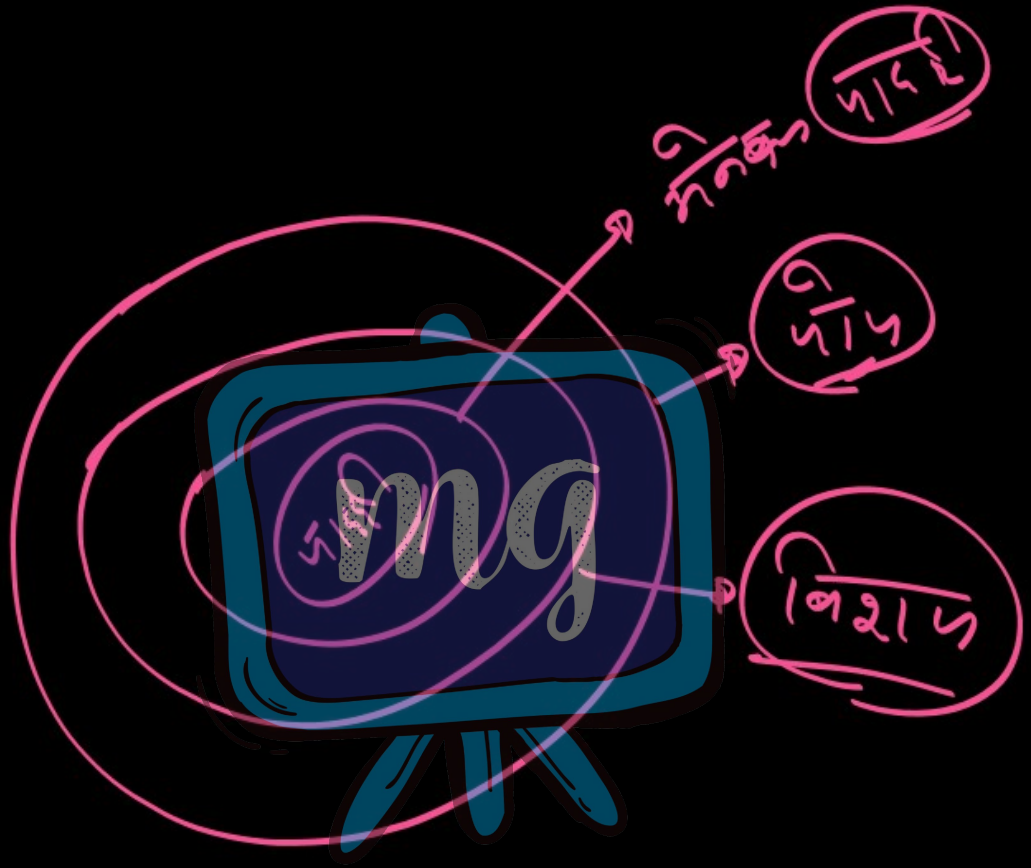
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- बिशप तथा पादरी प्रथम वर्ग के अंग थे।
- कृषि-दास, शारीरिक रूप से बाधित व्यक्ति और स्त्रियाँ पादरी नहीं बन सकते थे।
- जो पुरुष पादरी बनते थे, वे शादी नहीं कर सकते थे।
- धर्म के क्षेत्र में बिशप अभिजात माने जाते थे।
- बिशपों के पास भी लॉर्ड की तरह विस्तृत जागीरें थीं और वे शानदार महलों में रहते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- चर्च कृषक से उसकी उपज का दसवाँ भाग लेती थी जिसे 'टीथ' (Tithe) कहते थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- चर्च के औपचारिक रीति-रिवाज की कुछ रस्में, सामंती कुलीनों की नकल थी–
  1. ईश्वर के लिए लॉर्ड शब्द का प्रचलन।
  2. प्रार्थना करते वक्त, हाथ जोड़कर और सिर झुकाकर घुटनों के बल झुकना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



## भिक्षु

- चर्च के अतिरिक्त कुछ विशेष श्रद्धालु ईसाइयों की एक दूसरी संस्था थी।
- वे एकांत जिंदगी जीना पसंद करते थे।
- वे धार्मिक समुदायों में रहते थे जिन्हें ऐबी या मोनेस्ट्री मठ कहते थे।
- 'ऑबे' शब्द सीरिया के अबा से लिया गया है जिसका अर्थ पिता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- मोनेस्ट्री शब्द ग्रीक भाषा के शब्द 'मोनोस' से बना है।
- जिसका अर्थ है ऐसा व्यक्ति जो अकेला रहता हो।
- दो सबसे अधिक प्रसिद्ध मठों में एक मठ 529 में इटली में स्थापित सेंट बेनेडिक्ट था।
- दूसरा 910 में बरगंडी में स्थापित क्लूनी था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

# भिक्षुओं की जीवनशैली




- भिक्षु की जिंदगी पुरुष और स्त्रियाँ दोनों ही अपना सकते थे।
- पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग ऑबे थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- ऐसे पुरुषों को मोंक (Monk) तथा स्त्रियाँ नन (Nun) कहलाती थीं।





Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- भिक्षु और भिक्षुणियाँ भी विवाह नहीं कर सकते थे।
- मठ अब सैकड़ों की संख्या के समुदाय बन गए।
- जिसमें बड़ी इमारतें और भू-जागीरों के साथ-साथ स्कूल या कॉलेज और अस्पताल सम्मिलित थे।
- इन समुदायों ने कला के विकास में योगदान दिया।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- आबेस हिल्डेगार्ड एक प्रतिभाशाली संगीतज्ञ था।
- तेरहवीं सदी से भिक्षुओं के कुछ समूह ने मठों में न रहने का निर्णय लिया।
- जिन्हें फ़ायर कहते थे।
- वे घूम-घूम कर लोगों को उपदेश देते और दान से अपनी जीविका चलाते थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इंग्लैंड में, लैंग्लैंड की कविता पियर्स प्लाउमैन (1360-70 ई.) में कुछ भिक्षुओं के आरामदायक एवं विलासितापूर्ण जीवन की साधारण कृषकों, गड़रियों और गरीब मजदूरों के 'विशुद्ध विश्वास' से तुलना की गई है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

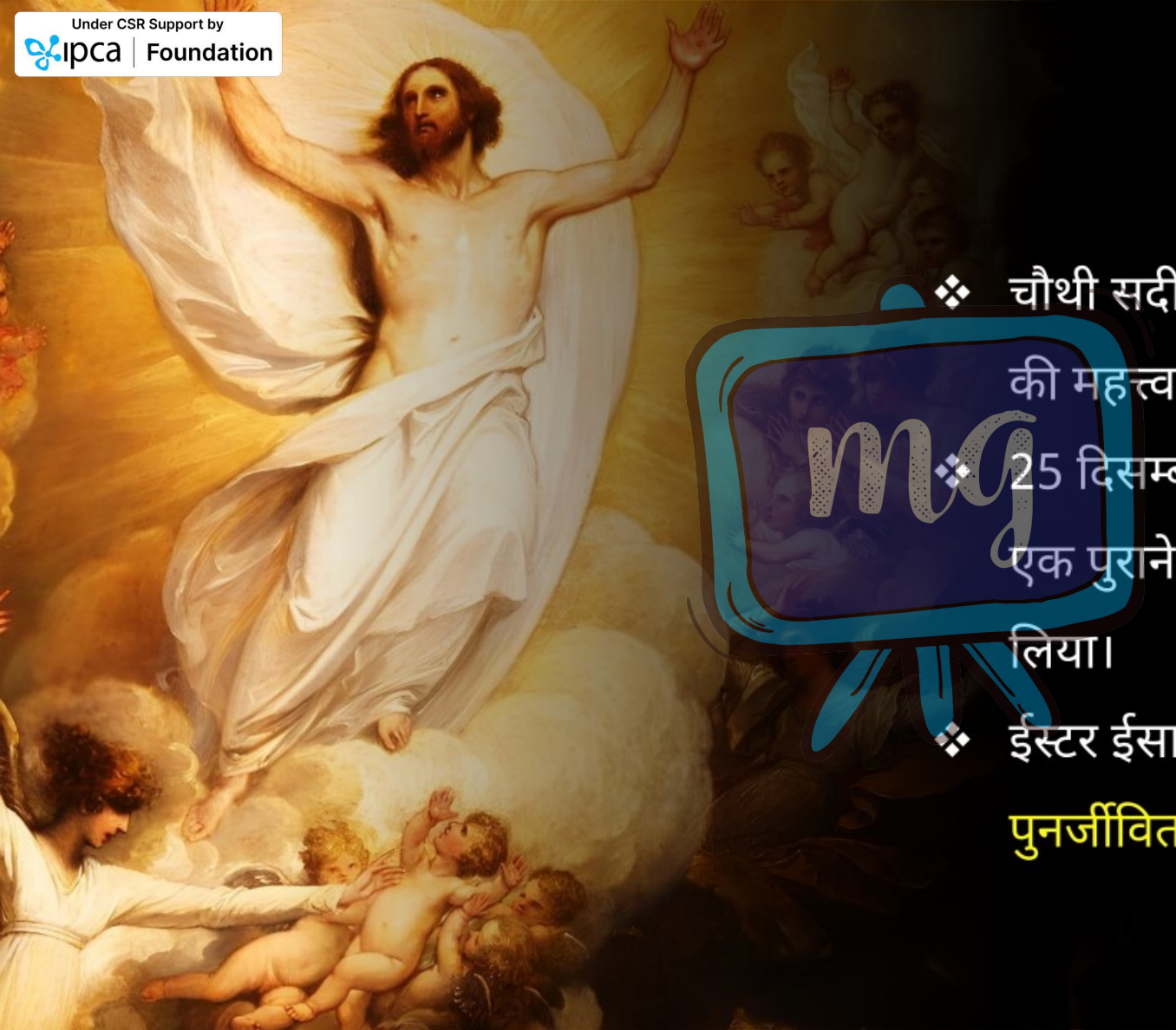
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इंग्लैंड में भी चॉसर ने कैंटरबरी टेल्स लिखी जिसमें भिक्षुणी , भिक्षु और फ़्रायर का हास्यास्पद चित्रण किया गया है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



## चर्च और समाज

- चौथी सदी से ही क्रिसमस और ईस्टर कैलेंडर की महत्त्वपूर्ण तिथियाँ बन गए थे।
- 25 दिसम्बर को ईसा मसीह के जन्मदिन ने एक पुराने पूर्व-रोमन त्योहार का स्थान ले लिया।
- ईस्टर ईसा के शूलारोपण और उनके पुनर्जीवित होने का प्रतीक था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- परंपरागत रूप में, उस दिन प्रत्येक गाँव के व्यक्ति अपने गाँव की भूमि का दौरा करते थे।
- ईसाई धर्म के आने पर अब वे उसे ग्राम के स्थान पर 'पैरिश' (एक पादरी की देखरेख में आने वाला क्षेत्र) कहने लगे।
- तीर्थयात्रा, ईसाइयों के जीवन का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा थी।